मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 217, मुंबई, शनिवार, 16 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

पवार को पीएम न बनने का दर्द

मुंबई। केंद्र सरकार को बार-बार निशाना बनाने वाले राकांपा प्रमुख शरद पवार को पीएम न बनने का बहुत दर्द है, इसलिए वे केंद्र सरकार को निशाना बनाते हैं। गुरुवार को विपक्ष नेता देवेंद्र फड़नवीस ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शरद पवार एक वरिष्ठ नेता है इसलिए उनके हर सवाल का जवाब देना मैं ठीक नहीं समझता लेकिन जिस प्रकार वे केंद्र सरकार पर झूठे आरोप लगा रहे है इसलिए मुझे उसका जवाब देना पड़ रहा है। पवार पर तंज कसते हुए फड़नवीस ने कहा कि यह सच है कि हमें जीत के बावजूद सत्ता नहीं मिली फिर भी हमने हार नहीं मानी है। पिछले दो साल में विपक्ष के नेता के रूप में बाढ़ और तूफान प्रभावित इलाकों का दौरा करने से हमें मालूम पड़ गया है कि लोग सरकार के प्रति कितने गुस्से में हैं। एक सवाल के जवाब में देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि राज्य में होने वाले मनपा सहित अन्य चुनाव में भाजपा कुछ मित्र दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। मनसे के साथ चल रही गठबंधन की चर्चा पर फड़नवीस ने कहा कि मनसे के साथ गठबंधन पर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई। होप मिरर फाउंडेशन ने राष्ट्रीय अखबार दै. मुंबई हलचल के संपादक श्री. दिलशाद एस. खान को सम्मानित किया। अभिनेता अरुण बक्शी, अभिनेत्री और मॉडल शर्लिन चोपड़ा, अभिनेत्री और अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी मिस इंडिया 2013 सिमरन आहूजा और निर्देशक रमज़ान शेख ने 14 अक्टूबर 2021 को श्री. दिलशाद एस खान को गोल्डन ह्यूमैनिटी अवार्ड 2021 और गोल्डन प्रेस्टीज अवार्ड 2021 से सम्मानित किया।

वन विभाग ने मुंबई की आरे कॉलोनी से पकड़ा आदमखोर तेंदुआ

मुंबई। शुक्रवार सुबह आरे में एक और तेंदुआ पकड़ा गया जिसे वन विभाग को सौंपा गया। वन विभाग ने बताया कि यह वो तेंदुआ नहीं है जो कई लोगों पर हमला कर चुका है। जल्द इस तेंदुए को उसकी प्राकृतिक जगह में छोड़ दिया जायेगा और उस आदमखोर तेंदुए की तलाश जारी रखी जाएगी।

रजा एकेडमी ने दी चेतावनी, जुलूस निकालने की मंजूरी नहीं मिली तो हर मस्जिद से निकालेंगे मोर्चा

मुंबई। ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस को लेकर रजा एकेडमी की गुरुवार को सुन्नी बिलाल मस्जिद, छोटा सोनापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमे आल इंडिया सुन्नी जमीयत उलेमा के अध्यक्ष हजरत मौलाना मोईनउद्दीन अशरफ और रजा एकेडमी के प्रमुख अल्हाज मुहम्मद सईद नूरी ने भी हिस्सा लिया। रजा एकेडमी की और से आयोजित इस बैठक में करीब 60 संगठनों के नेता भी शरीक हुए। बैठक में ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस की अनुमति नहीं दिये जाने को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की गई। जिसमें कहा गया कि ने सरकार ने बाजार, शॉपिंग मॉल, बाजार और सार्वजनिक स्थान खोल दिए हैं। मस्जिद और मंदिर भी खोल दिए गए हैं। सरकार को जुलूस को निकालने की अनुमति देनी चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि पूरी दुनिया आज कोरोना वायरस से चिंतित है लेकिन इससे बचने के उपाय भी किए जा रहे हैं। हालांकि, हम अभी भी सरकारी दिशा निर्देश का पूरा पालन करते हुए जुलूस निकालेंगे। इस मौके पर अल्हाज मुहम्मद सईद नूरी ने कहा कि जब महाराष्ट्र सरकार ने स्कूल और धार्मिक स्कूल खोले हैं ईद मिलाद-उन-नबी जुलूस निकालने की अनुमति और इसकी गाइडलाइन अभी तक जारी क्यों नहीं की गई। ऐसे में महाराष्ट्र की हर गली की मस्जिद से जुलूस निकाला जाएगा। एक मुसलमान अपने पैगंबर के नाम पर अपनी जान दे सकता है लेकिन वह अपने नबी का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम चाहते हैं कि ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस को जल्द से जल्द निकालने की अनुमति जारी करे। यदि हम अनुमति नहीं देते हैं, तो हम उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होंगे।

विधायकों की विकास निधि हुई चार करोड़

मुंबई। अब प्रत्येक विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास के काम करने के लिए हर साल चार करोड़ रुपए की रकम मिलेगी। राज्य के वित्त मंत्री अजित पवार ने विधायक विकास निधि में एक करोड़ की बड़ी राशि की बढ़ोतरी की है। विधानसभा में वित्त मंत्री अजित पवार ने स्थानीय विकास निधि को दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ करते वक्त कहा था कि भविष्य में इसे और बढ़ाया जाएगा। वित्त मंत्री ने अपने आश्वासन को पूरा करते हुए विकास निधि में एक करोड़ की भारी वृद्धि की है। ऐसे में अब विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य के लिए अब चार करोड़ रुपए की निधि मिलेगी। अजित पवार के इस निर्णय से सत्ता पक्ष और विपक्षी विधायकों में आनंद का वातावरण है और उन्हें दशहरे की पूर्व संध्या पर बड़ा तोहफा मिला है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

विजयदशमी का संदेश

असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयदशमी हमें न केवल प्रेरित, बल्कि स्वतः आह्लादित भी करता है। संसार का कोई भी कोना हो, कोई भी जीव हो, हर किसी को सत्य की खोज है। झूठा से झूठा इंसान भी दूसरों से यही उम्मीद करता है, उसे हर बार पूरा सत्य बताया जाए। सत्य जानने के प्रति यह आग्रह ही सत्य की सबसे बड़ी जीत है। जिस मुद्रा के लिए लोग सर्वाधिक असत्य बोलते हैं, उस मुद्रा पर अंकित भारत केप्रतीक चिन्ह के नीचे लिखा होता है- सत्यमेव जयते। सत्य की जीत अर्थात सहज मानवीय आशा की जीत। यदि किसी को पता लग जाए कि उससे असत्य बोला गया है, तो उसे बहुत निराशा होती है। असत्य दुख पैदा करता है और सत्य वास्तविक खुशी के प्रति आश्वस्त करता है। राम और रावण में सबसे बड़ा फर्क यही था कि राम सत्य के पक्षधर थे और रावण को सीता हरण के लिए भी असत्य का सहारा लेना पड़ा था। उसके द्वारा रचित असत्य से साधु समाज केप्रति श्रद्धा को बड़ी हानि पहुंची थी। तब असत्य से न केवल साधु वेष बदनाम हुआ, भीक्षा मांगने वालों को भी लांछित होना पड़ा। वैसे असत्य को दंड देकर राम ने जब सत्य का मान बढ़ाया, तब मानवता विजयी हुई और विजयदशमी का पर्व साकार हुआ। आज दुनिया का कोई कोना नहीं, जहां विजयदशमी से मिलने वाले संदेश का महत्व न हो। सबको सत्य, प्रेम और न्याय चाहिए। सबको सद्व्यवहार चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, विजयदशमी के दिन राम को जो जीत हासिल हुई थी, वह कितनी व्यावहारिक थी। किसी राज्य को जीतनेके बाद शासकों और उनके योद्धाओं में उस क्षेत्र को लूटने-हड़पने की जल्दी होती है, लेकिन राम जीतने के बाद भी लंका से एक छोटा सा उपहार तक नहीं लाए थे। उन्होंने रावण के भाई विभीषण का सप्रेम राज्याभिषेक कराया था। सत्ता का इतिहास भाई-भाई के बीच हिंसा, हत्या, अत्याचार, अन्याय, अमानवीयता, दुश्मन राज्य के लोगों के शोषण, दमन से अटा पड़ा है। राम की विजय प्रेम, भातृत्व, व्यावहारिकता और मानवीयता को मजबूत करने वाली विजय है। इसलिए विजयी तो बहुत से राजे-रजवाडे़-आततायी हुए होंगे, लेकिन सच्ची विजय राम की है, इसलिए विजयदशमी के आयोजन का पूरी मानवता के लिए विशेष महत्व है। आज हम देख रहे हैं कि दुनिया में इंसान किस तरह से इंसान का दुश्मन हो रहा है। आतंकवाद और हिंसा को तार्किक ठहराने की कोशिश हो रही है। अनेक लोगों और देशों को न तो सत्य की परवाह है और न मानवीयता की फिक्र। लोग अपने फायदे के लिए किसी का भी शोषण-दमन करने के लिए सांठगांठ कर लेते हैं, लेकिन उन्हें स्वयं इससे जो नुकसान होता है, उसकी समीक्षा कौन करेगा? दुनिया की महाशक्तियां अपनी क्षमता का कहां दुरुपयोग कर रही हैं? नाना प्रकार के निर्मम-अन्यायी आतंक का अंत क्यों नहीं हो रहा है? तमाम देशों को कूटनीतिक, रणनीतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से सोचना पड़ेगा। छोटी-छद्म लड़ाइयों से किसी अल्पकालिक स्वार्थ की पूर्ति भले संभव हो, लेकिन वह सच्चे अर्थों में विजय नहीं, पराजय है। भय और अन्याय के खिलाफ ही नहीं, भ्रष्ट आचरण और गरीबी के खिलाफ भी हमारी जीत जरूरी है। विजयदशमी महापर्व से अगर हम प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें, तो निस्संदेह जल्दी ही अपने लक्ष्य तक पहुंचेंगे।

स्वास्थ्य सेवा में सुधार की जरूरत

मृत्यु एक समय में जीवन का हिस्सा थी और उसे अनिवार्य की तरह स्वीकार किया जाता था... आज उससे एक शत्रु की तरह किसी भी कीमत पर लड़ा जाता है...

कोई यह आरोप नहीं लगा सकता है कि भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पूरी तरह से खराब है। इसने कुछ चमत्कार भी किये हैं। दो पीढ़ी पहले बच्चे कीट संक्रमणों और खुजलियों के साथ बड़े होते थे। साथ ही, वे अधिक खतरनाक चेचक और पोलियो से भी ग्रस्त होते थे, जो उनका जीवन बदल देते थे।

अब ये सब लगभग या पूरी तरह से अतीत की स्वास्थ्य समस्याएं हो चुकी हैं। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। मधुमेह और उक्त रक्तचाप अब पहले की तरह जानलेवा नहीं रहे। करीब तीन दशक पहले समय से पहचान हो जाने और प्रारंभ में ही उपचार मिलने के बावजूद एक-तिहाई कैंसर रोगी पांच साल तक ही जीवित रह पाते थे। आज आधे से कैंसर पीड़ित दस साल या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं।

आधुनिक दवाओं ने हम में से अधिकतर को स्वस्थ रखा है, लेकिन ये दवाएं आधुनिक 'स्वास्थ्य सेवा' के नकारात्मकों प्रभावों को दूर करने में असफल रही हैं। आज स्वास्थ्य सेवा की चार प्रमुख समस्याओं में सबसे पहली परेशानी है दर्द और दुख के उपचार से विमुख रहना। आज हमारे देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली दर्द और लगातार दुख सहने का उपचार नहीं करती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की बायो-एथिक्स इकाई का कहना है कि रोगी के दुख का निवारण करना स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का मौलिक कर्तव्य है।

उसके अनुसार, इस नियम का कोई भी अपवाद नहीं हो सकता है। लेकिन चार प्रतिशत से भी कम लोग दर्द से बुनियादी राहत तक पहुंच पाते हैं, इससे संबंधित शेष पहलुओं की तो बात ही छोड़ दें। दूसरी समस्या है कि जो लोग आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में पीछे छोड़ दिये गये हैं, उन्हें सबसे अधिक इसकी आवश्यकता है। इनमें दिव्यांग लोग हैं। वे हैं, जो सांस्कृतिक या भौगोलिक रूप से हाशिये पर है। बुजुर्ग या लैंगिक भेदभाव के शिकार लोग हैं, खासकर गरीब, जो समुचित स्वास्थ्य सेवा हासिल करने की स्थिति में नहीं हैं।

तीसरी समस्या है कि मरणासन्न लोगों की ठीक से देखभाल नहीं की जाती है और उन्हें सघन चिकित्सा इकाई में बंदी की तरह मरने के लिए विवश किया जाता है और उनके पास साथ देने के लिए केवल दुख-दर्द होते हैं। मृत्य एक समय में जीवन का हिस्सा थी- उसका स्वागत नहीं था, पर उसे अनिवार्य की तरह स्वीकार किया जाता था। आज उससे एक शत्रु की तरह किसी भी कीमत पर लड़ा जाता है। इस युद्ध की हर घड़ी विषाद लाती है और मरने की दुखदायी प्रक्रिया दिनों, सप्ताहों और महीनों तक बढ़ जाती है।

और चौथी समस्या, जो सबसे अहम है कि उपचार का बढ़ता भयावह खर्च हमारी चार प्रतिशत जनसंख्या को हर साल गरीबी रेखा से नीचे धकेल देता है। उपचार के खर्च का कम-से-कम 63 प्रतिशत हिस्सा रोगी की जेब से जाता है। इस खर्च को न तो सरकारी सहायता प्राप्त है और न ही यह किसी बीमा द्वारा संरक्षित है। ऐसे सामाजिक विध्वंस की सूची में विश्व बैंक ने भारत को सबसे बदतर 12 देशों में रखा है। संक्षेप में, प्रणाली एक ओर स्वास्थ्य सेवा देती है, तो दूसरी ओर यह स्वास्थ्य का गला घोंटती है।

यह तस्वीर चिंताजनक है। इस नुकसान की भरपाई एक-दो वर्षों में नहीं की जा सकती है। यह हाथी के बच्चे को घर में पालने जैसा मामला है। हाथी बढ़ता जायेगा और घर के लोगों को उसके इर्द-गिर्द रहना सीखना होगा, लेकिन उसे बाहर निकालने की आवश्यकता होगी, भले ही इसके लिए दरवाजा तोड़ना पड़े या एक समय ऐसा आयेगा, जब वह हाथी पूरा घर तबाह कर देगा। भारतीय स्वास्थ्य सेवा के मामले में हम ऐसे मोड़ पर आ चुके हैं, जब हाथी को दरवाजा तोड़कर बाहर निकालना होगा। या, क्या हम घर के ढह जाने की प्रतीक्षा करेंगे?

सौभाग्य से, इनके समाधान सस्ते हैं और मुश्किल भी नहीं हैं, बस स्वास्थ्य प्रणाली को दुख कम करने के अपने कर्तव्य को स्वीकार करना होगा। यह कर्तव्य स्वास्थ्यकर्मियों को बीमारी के उपचार के साथ दुख-दर्द का उपचार करना भी सीखना होगा। पश्चिम यूरोप के देशों तथा युगांडा और केन्या जैसे कम आय के सब-सहारा अफ्रीकी देशों में ऐसा ही किया जाता है। एक बात स्वास्थ्य प्रणाली इस उत्तरदायित्व को स्वीकार कर ले तथा आवश्यक दवाओं तक पहुंच से संबंधित नियमन व प्रक्रियाओं की अनावश्यक बाधाओं को दूर कर ले, तो समाधान आसान है।

अच्छी खबर यह है कि भारत ने पहले ही इस दिशा में पहल कर दी है। साल 2014 में नशीले पदार्थों से जुड़े कानून को आसान बनाया गया है, जो दर्द निवारक दवाओं तक पहुंच को रोकता था। साल 2019 के बाद से हर मेडिकल छात्र को दर्द का प्रबंधन और पैलिटिव केयर अनिवार्यतः सीखना है। साल 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत डेढ़ लाख स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण केंद्रों में स्वास्थ्यकर्मियों को इस संबंध में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लेकिन इसमें एक मुश्किल भी है। केंद्र और राज्य सरकारों का स्वास्थ्य के मद में आवंटन अभी भी सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 1।6 प्रतिशत के बेहद कम स्तर पर है। अधिकतर देश औसतन कम-से-कम पांच प्रतिशत खर्च करते हैं। हम में से बहुतों ने अपने दादा-नाना से यह कीमती सीख ली है कि स्वास्थ्य संपत्ति से भी अधिक महत्वपूर्ण है। इस सीख को बहुत पहले भुला दिया गया है। यह जरूरी है कि लोग गंभीर होते स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति जागरूक हों।

तीन साल पहले 120 देशों के 2000 प्रतिनिधियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य के एक वैश्विक सम्मेलन में इस पर प्रतिबद्धता जतायी थी कि हर व्यक्ति का यह मौलिक अधिकार है कि वह किसी भेदभाव के स्वास्थ्य के उच्च स्तर का आनंद उठाये। यह चार दशक पूर्व के पहले वैश्विक सम्मेलन के संकल्प का ही दोहराव था। भारत भी इस संकल्प का भागीदार है, पर हमारे यहां इस संबंध में बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

जो गंभीर रूप से बीमार हैं और दुख सह रहे हैं, उनके पास आज कोई आवाज नहीं है। उनकी परेशानी को सुना जाना चाहिए। उक्त वैश्विक सम्मेलन, जिसका भारत भी एक हस्ताक्षरकर्ता है, की घोषणा में कहा गया है कि सबके लिए स्वास्थ्य तभी हो सकता है, जब सबके साथ स्वास्थ्य होगा। स्वास्थ्य-संबंधी गंभीर परेशानियों का उपचार करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसके लिए बस समझौतों और नीतियों के प्रति संकल्प चाहिए, जिन पर हमने हस्ताक्षर किया है। भारत को अपनी प्रतिबद्धता का पालन करना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा से शिलफाटा परिसर तक मोबाइल चोरों की भरमार

एक ही दिन में उड़ा ले गए दो मोबाइल फोन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शहर में लगता है फिर मोबाइल चोरों का गिरोह सक्रिय हो गया है। और उसी के चलते आए दिन चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। मुंब्रा से लेकर शिलफाटा पर मोबाइल चोरों की वारदात घटने का मामला सामने आ रहा है। एक ही दिनों में दो मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आई है। एक मुंब्रा रेलवे स्टेशन के करीब और दूसरी घटना शिलफाटा की बताई जा रही है। इस मामले में उपभोक्ता द्वारा दी गई। जानकारी के अनुसार मैं मुंब्रा रेलवे स्टेशन से उतर कर अपने घर जा रहे था। तभी एक व्यक्ति ने मुझको धक्का मार कर मेरी ऊपरी जेब में रखा मोबाइल लेकर अचानक चंपत हो गया। जिसकी शिकायत मैंने मुंब्रा पुलिस स्टेशन में की है। मुंब्रा पुलिस ने मेरे चोरी के मामले की शिकायत को दर्ज नहीं करते हुए सिर्फ मोबाइल की मिसिंग कंप्लेंट ही ली है, और वहीं दूसरी घटना शिलफाटा से बस में चढ़कर जा रहे व्यक्ति की कुर्ते की जेब से मोबाइल चोरों ने मोबाइल उड़ा लिया। इस मोबाइल चोरी की शिकायत शील डायगर पुलिस मैं की गई। सवाल ये उठता है यह मोबाइल चोरों का गिरोह पूरे मुंब्रा शिलफाटा में सक्रिय है। यह शातिर मोबाइल चोर उपभोक्ताओं की मेहनत की गाढ़ी कमाई से खरीदा हुआ मोबाइल फोन को अपनी चतुराई से उड़ा ले जाते हैं, और पुलिस भी इन घटनाओं में चोरी का मामला दर्ज नहीं करते हुए मिसिंग का ही मामला दर्ज करती है। जिससे मोबाइल मिलने की आशा खत्म हो जाती है। तो पुलिस से निवेदन करते हैं ईस मोबाइल चोर गिरोह का पदार्फाश कर जल्द से जल्द आरोपी को सलाखों के पीछे भेजें आपसे निवेदन।

मुंब्रा कलवा के विधायक तथा राज्य के गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र अवाड मारपीट के मामले में हुए गिरफ्तार फिर न्यायालय द्वारा जमानत पर बाहर

संवाददाता/समद खान

ठाणे। 14 अक्टूबर गुरुवार ठाणे पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत वर्तक नगर पुलिस स्टेशन द्वारा कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृहनिर्माण मंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर सीआरपीसी 120/2020 भारतीय दंड संहिता धारा 365 324 143 147 148 506 इन मामलों के तहत गिरफ्तारी की गई थी। उनकी गिरफ्तारी का कारण यह बताया जा रहा है। 5 अप्रैल 2020 को सिविल इंजीनियर अनंत करमुसे द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट मंत्री जितेंद्र अवार्ड के विरोध मैं की गई थी। इस पोस्ट के चलते मंत्रीजी को दिए गए पुलिस अंगरक्षकों ने अंनत करमुसे को घर से अपहरण कर मंत्रीजी के बंगले पर लाकर तकरीबन 10 से 20 लोगों ने उनके सामने बड़ी निर्ममता से पिटाई की गई। जिसकी शिकायत वर्तक नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई, और साथ शिकायतकर्ता ने मुंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर जितेंद्र अवार्ड के बंगले के सीसीटीवी फुटेज सामने लाने की मांग की है। ताकि उसके आधार पर उन को आरोपी बनाया जा सके हालांकि मंत्रीजी के पुलिस अंगरक्षकों द्वारा उनको घर से अपहरण कर ले जाते वक्त के लिफ्ट की सीसीटीवी फुटेज सामने आ गए हैं। और इन तीनों पुलिस अंगरक्षकओ पर भी इस मामले में शामिल होने का मामला बताया जा रहा है। मंत्री

मंत्री जितेंद्र अवार्ड

जितेंद्र अवार्ड की मारपीट का मामला करुणा काल के वक्त राज्य भर में खूब गुंजा था लेकिन करुणा काल के चलते यह गिरफ्तारी का मामला टलता जा रहा था। परंतु 14 अक्टूबर को वर्तक नगर पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद मंत्री जितेंद्र अवार्ड को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां पर न्यायालय ने दस हजार की जमानत पर उनको रिहा कर दिया है। गौरतलब बात यह है आगामी मनपा चुनाव करीब है, और विपक्ष के दोनों हाथों में लड्डू आ गए हैं। मंत्रीजी की गिरफ्तारी को लेकर बीजेपी के किरीट सोमैया ने मंत्री जितेंद्र अवार्ड के पद से इस्तीफा देने की मांग की है। अब देखना यह है यह गिरफ्तारी का असर कितना मंत्री जितेंद्र अवार्ड पर और एनसीपी पर होता है। और इस गिरफ्तारी का परिणाम आने वाले मनपा चुनाव में क्या होता है। यह आने वाला समय ही बताएगा।

पश्चिम रेलवे सर्विलांस के लिए लेगी ड्रोन कैमरे की मदद, चप्पे- चप्पे पर होगी नजर

मुंबई। मुंबई में त्यौहारी सीजन को देखते हुए पश्चिम रेलवे स्टेशनों पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने, किसी आपदा या हादसों को रोकने और ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए सर्विलांस ड्रोन का सहारा लेने जा रही है। इस सर्विलांस ड्रोन के जरिए रेलवे को न सिर्फ स्टेशनों पर हो रही भीड़ को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी,बल्कि भगदड़ या अन्य प्रकार के हादसों को रोकने में काफी मदद मिलेगी।

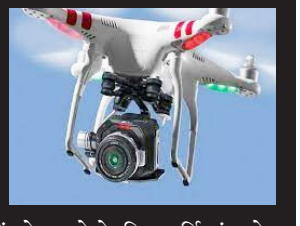

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है ऐसे में बड़ी संख्या में लोग मुंबई से अपने गांवों को जाना शुरू हो गए हैं। इस दौरान स्टेशनों पर काफी भीड़ होने लगी है, जो धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी। इसी भीड़ को मैनेज करने और इसके चलते हादसों को टालने के लिए सर्विलांस ड्रोन के जरिए पश्चिम रेलवे नजर रखेगी। जिस ड्रोन का इस्तेमाल रेलवे करेगी, वह ग्राउंड लेवल से 200 मीटर की ऊंचाई पर 2 किमी की दूरी तक 25 मिनट की उड़ान भरने में सक्षम है। इतना ही नहीं, यह जीपीएस आधारित ऑटो वे पॉइंट नेविगेशन सिस्टम इसे ऑटो टेक ऑफ, मार्गदर्शन और लैंडिंग करने में मदद करता है और पेलोड के रूप में स्थापित 5 ऑप्टिकल जूम कैमरा के साथ उच्च रिजॉल्यूशन छवियों को कैप्चर करने में सक्षम है। यह ड्रोन टेरेन डिटेक्शन, जियो फेंसिंग और नो फ्लाई जोन फीचर से भी लैस है। इस सर्विलांस ड्रोन का इस्तेमाल विशेष तौर पर सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले स्टेशनों मुम्बई सेंट्रल, बांद्रा, अंधेरी और बोरीवली में किया जाएगा और इसके लिए बाकायदा RPF को ट्रेनिंग भी दी गई है।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

विधायकों की विकास निधि हुई चार करोड़...

पिछले डेढ़ साल से देश सहित राज्य कोरोना संकट का सामना कर रहा है। कोरोना संकट के समय केंद्र सरकार ने सांसदों की विकास निधि को फ्रीज कर दिया है। ऐसे में स्थानीय विकास के कार्यों के लिए सांसदों को कोई निधि उपलब्ध नहीं है। वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सदन में राज्य के विधायकों की स्थानीय विकास निधि को दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपए करने की घोषणा की थी और भविष्य में स्थानीय विकास निधि को बढ़ाने का आश्वासन दिया था। इस आश्वासन को पूरा करते हुए विधायकों की विकास निधि को बढ़ाया गया है। इससे सामान्य जनता के विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विधानसभा के 288 और विधानपरिषद के 62 सदस्यों को मिलाकर कुल 350 विधायकों को 350 करोड़ रुपए की अतिरिक्त निधि उपलब्ध होगी। इस तरह राज्य के सभी विधायकों को मिलाकर अब हर साल कुल 1400 करोड़ रुपए की रकम स्थानीय विकास के लिए मिलेगी। राज्य के इतिहास में विधायकों की स्थानीय विकास निधि में यह अब तक सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विधायकों को कोरोना रोकथाम के उपायों के लिए विधायकों के स्थानीय विकास निधि से एक-एक करोड़ रुपए खर्च करने की अनुमति भी दी थी।

पवार को पीएम न बनने का दर्द....

मनसे नेता बाला नांदगांवकर अपने व्यक्तिगत काम से हमारे पास आए थे लेकिन उस दौरान उनके साथ गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। बुधवार को राज्य सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए घोषित 10 हजार करोड़ के आर्थिक पॅकेज पर विपक्ष नेता ने कहा कि इसके पहले सरकार ने जो आर्थिक पॅकेज की घोषणा की थी क्या वो किसानों तक पहुंचीं है। सरकार को पहले उस मदद की समीक्षा करनी चाहिए। सरकार पर तंज कसते हुए फड़नवीस ने कहा कि बुधवार को सरकार ने आर्थिक मदद की घोषणा की लेकिन राज्य के मदद पुनर्वसन मंत्री विजय वडेट्टीवार को इसकी जानकारी ही नहीं थी. इस सरकार में सभी मंत्री अपने आपको मुख्यमंत्री मानते हैं. इसलिए बिना सीएम के अनुमति के कोई भी बयान देते रहते हैं। दशहरा पर होने वाली शिवसेना की रैली में इस बार महाविकास आघाड़ी के नेता और मंत्री उपस्थित रहेंगे, की चर्चा पर फड़नवीस ने शिवसेना पर तंज कसते हुए कहा कि यह शिवसेना का बदलता हुआ स्वरूप है। शिवसेना की दशहरा रैली में महाविकास आघाड़ी के नेता मंच पर आएंगे, मुझे लगता है कि कांग्रेस और राकांपा के साथ जाने की शिवसेना की मजबूरी है। अपने आपको कट्टर हिंदुत्ववादी बताने वाली शिवसेना अब सेक्युलर होती जा रही है इसलिए दशहरा रैली में कांग्रेस और राकांपा के नेताओं को बुला रही है. एनसीबी की कारवाई पर सवाल उठा रही राकांपा पर निशाना साधते हुए फड़नवीस ने कहा कि यह शरद पवार का राजनीतिक खेल है। इसमें अलग कुछ भी नहीं है। राकांपा प्रवक्ता लगातार क्यों जांच एजेंसी को निशाना बना रहे हैं, यह जनता को मालुम है. इसलिए नवाब मलिक उदास हैं और वे अपनी निराशा व्यक्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे सर्विलांस के लिए लेगी ड्रोन कैमरे की मदद...

दरअसल 29 सितंबर 2017 को पश्चिम रेलवे के प्रभा देवी स्टेशन पर जबरदस्त भीड़ के चलते मची भगदड़ ने कई लोगों की मौत हो गई थी। त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ चलते इस तरह के हादसे होने का खतरा हमेशा बना रहता है, यही वजह है कि रेलवे पहले से ही इससे निपटने के लिए अलर्ट रहना चाहती है। रेलवे के मुताबिक भीड़ नियंत्रित करने और हादसों के टालने के अलावा इस सर्विलांस ड्रोन का इस्तेमाल रेलवे यार्ड, रेलवे परिसर में संवेदनशीन स्थानों पर निगरानी रखने के लिए भी किया जाएगा,ताकि समय रहते किसी भी अपराध को होने से रोका जा सके।

अपने कार्य से जाने जाते है प्रभु नारायण एस आई

प्रयागराज। नवाबगंज थाने में तैनात उप निरीक्षक प्रभु प्रभु नारायण यादव के कार्य को देख कर छेत्र में अपराधी व अपराध करने वाले में डर बना रहता है वही दूसरी तरफ आम जनता उनके कार्यों की सराहना करती नही थकती, चाहे वो सामाजिक कार्य हो या फिर अपराधियों को पकडने का काम हो। बनारस जिले के रहने वाले उप निरीक्षक प्रभु नारायण जिनकी शिक्षा-दीक्षा बनारस से ही पूर्ण हुई। सुरु से ही वो पुलिस डिपार्टमेंट में जा कर समाज के लिए कुछ करना चाहते थे उनका ये सपना पूरा हो गया और पुलिस विभाग में उप निरीक्षक के पद पर तैनात हुए। पत्रकारों से बातचीत पर उन्होंने बताया कि वो दो साल से नवाबगंज थाने में तैनात है अभी तक उन्होंने कई बड़े अपराधियों को जेल का रास्ता दिखाया है। कई उलझी हुई गुत्थियों को बहुत बारिकी से सुलझाने में माहिर कहे जाते है पुलिस विभाग में सरल स्वभाव होना, सबको आदर सम्मान देना विन्रमता से सबकी बातें सुनकर उसका समाधान करना हमेशा से उप निरीक्षक प्रभु नारायण के संस्कार में है। यही कारण है कि प्रभु नारायण का सभी सम्मान करते है। उनका कहना है कि किसी भी थाने पर मेरी तैनाती हो मेरा अपराधियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा। ताकि समाज मे शांति व्यावस्था कायम हो सके।

जिलाधिकारी व एसएसपी ने अंदावा में बने हुए मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी गुरूवार को अंदावा के पास बनाये गये मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मूर्ति विसर्जन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु स्वच्छ जल की व्यवस्था के साथ-साथ प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रकाश के लिए विद्युत की व्यवस्था के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मूर्ति विसर्जन हेतु वाहनों के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि मूर्ति विसर्जन स्थल के आस-पास कहीं पर भी जाम की स्थिति न होने पाये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर सर्तकता एवं सावधानी बरतने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि कोई भी गहरें पानी में न जाने पाये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, फायर विभाग के अधिकारियों की तैनाती किये जाने के साथ-साथ साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर, मदन कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन वी0एस0 दूबे सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रयागराज के इस मेधावी ने गूगल के बग हंटर हॉल ऑफ फेम में जगह बनाकर प्रयागराज का नाम किया रोशन

प्रयागराज। कहते है जहां चाह है वहां राह है! कुछ बेहतर करने का लक्ष्य लिए प्रयागराज के सोरांव क्षेत्र के मेधावी छात्र मयंक मिश्रा ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त की है! लगातार बढ़ रहे डिजिटल युग में साइबर सिक्योरिटी डाटा कलेक्शन को सुरक्षित करने के लिए बेहद अनिवार्य और आवश्यक है! अभी हाल ही में विश्व का सबसे बड़ा सर्च इंजन गूगल में कमी खोजने पर गूगल ने उनके काम की सराहना करते हुए गूगल के बग हंटर हॉल ऑफ फेम में जगह दी है!आपको बता दे कि अंतराष्ट्रीय टेक्निकल कंपनियां बाउंटी प्रोग्राम का आयोजन करती रहती है. ऐसे में अगर किसी खामी की रिपोर्ट यूजर्स कंपनी को सब्मिट करते हैं और वो खामी सच में पाई जाती है तो यूजर्स को इनाम दिया जाता है.मयंक मिश्रा ने कहा कि अभी तक उन्हें विश्व की बड़ी कंपनियों गूगल,चाइनीज टेलीकॉम कंपनी हुआवै, लेनेवो,अंतराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी इंफ्लेक्ट्रा आदि के हॉल ऑफ फेम में उन्हें जगह भी मिली है! मयंक मिश्रा ने इसी वर्ष बीटेक आईटी की पढ़ाई पूरी की है द्वितीय वर्ष से ही पढ़ाई के दरमियान साइबरसिक्योरिटी में गहरी रूचि होने के कारण इस क्षेत्र में नित नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं उन्हें कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अप्रिसिएशन लेटर भी मिला है! फिलहाल तो मयंक बग हंटिंग जारी रखेंगे क्योंकि उन्होंने लगता है कि वो ऐसा करके ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस सबजेक्ट में एडुकेट कर सकेंगे, और इस तरह से आगे भी साइबर इंडस्ट्री को अपना योगदान देते रहेंगे !

जिसे मन स्वीकारें,
वह सुख..
और जिसे न स्वीकारें,
वह दुख..!
सारा खेल हमारी स्वीकृति,
और अस्वीकृति का ही है..!
विजयादशमी की आप सभी को
ढेरों शुभकामनाएँ
डॉ.अनिता ठक्कर

दादा साहेब फाल्के के ग्रैंडसन चन्द्रशेखर पुसालकर ने एक्ट्रेस सोशल वर्कर शिरीन फरीद का मनाया जन्मदिन

मुंबई। देश -विदेश में तकरीबन दो हजार से अधिक लाइव वाली इन्टरनेशनल बेस्ट डान्स परफॉरमर सोशल सामाजिक संस्थाओ अम्बेसडर बॉलीवुड एक्ट्रेस का जन्मदिन दादा साहेब ग्रैंडसन चन्द्रशेखर पुसालकर अपने घर पर केक काटकर पर चन्द्रशेखर पुसालकर पुसालकर ने शिरीन फरीद को वही चन्द्रशेखर पुसालकर ने अपनी बेटी मानते हुये शिरीन फरीद के उज्ज्वल भविष्य के लिये कामना की तो वही शिरीन फरीद ने जन्मदिन के मौके पर चन्द्रशेखर पुसालकर का आशीवांद पाकर बेहद खुशीया जताई।और अपने चाहने वाले सभी दोस्तों का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होंने भी सोशल मीडिया,काल,मेसेज से शिरीन फरीद को जन्मदिन पर बधाई दिया हैं।

मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे लोगों को गाड़ी ने कुचला, एक की मौत, 16 घायल

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक भीषण हादसे की जानकारी सामने आई है। यहां दुर्गा विसर्जन के लिए जा रहे कुछ लोगों को एक कार रौंदते हुए निकल गई। हादसे में एक की मौत और 16 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद भीड़ ने पीछा कर कार को पकड़ लिया, चालक की पिटाई की और कार में आग लगा दी। बताया जा रहा है कि कार में बड़ी मात्रा में गांजा भरा हुआ था। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी जेम्स मिंज ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार ने पत्थलगांव में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे लोगों को कुचल दिया। एक शव को अस्पताल लाया गया है और 16 अन्य को भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल दो लोगों का एक्स-रे करवाने पर फ्रेक्चर होने की जानकारी सामने आई है, जिसके बाद दोनों को अन्य अस्पतालों के लिए रेफर किया गया है। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। पत्थरगांव में कुछ लोग सात दुर्गा पंडालों की मूर्ति का विसर्जन करने के लिए नदी की ओर जा रहे थे। इसी

दौरान एक तेज रफ्तार कार इन लोगों को कुचलते हुए निकल गई। जानकारी के अनुसार, वहां मौजूद अन्य लोगों ने कार का पीछा किया और करीब पांच किमी दूर सुखरापारा में पकड़ लिया। लोगों ने कार चालक की जमकर पिटाई की और गांजे से भरी कार को आग के हवाले कर दिया। आक्रोशित लोगों ने पत्थलगांव थाने का घेराव और गुमला-कटनी नेशनल हाइवे पर मृतक का शव रख चक्काजाम कर दिया। हालात देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोगों का कहना है कि एक एएसआई गांजा तस्करी में संलिप्त है। कार चालक एएसआई के साथ मिलकर तस्करी करने वाला था। कार में कितना गांजा था ये पता नहीं चल पाया। लोगों ने एएसआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सीएम बघेल बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

जशपुर की घटना को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बहुत दुखद और हृदयविदारक बताया। उन्होंने कहा कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रथमदृष्टया दोषी दिख रहे पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। जांच के आदेश दिए गए हैं। कोई भी बख्शा नहीं जाएगा। सबके साथ न्याय होगा। ईश्वर दिवंगतजनों की आत्मा को शांति दे।

दोनों आरोपी गिरफ्तार

मामले में जशपुर एसपी का कहना है कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पहचान बबलू विश्वकर्मा और शिशुपाल साहू के रूप में हुई है। दोनों मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं और वे छत्तीसगढ़ से गुजर रहे थे। उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

त्योहार आते ही दिल्ली में गिरा कोरोना टीकाकरण ग्राफ पहली खुराक वाले हुए कम

नई दिल्ली। त्योहार आते ही जहां एक तरफ दिल्ली में कोरोना का टीकाकरण 11 सप्ताह पीछे जा चुका है वहीं बीते 23 दिन से राजधानी में पहली खुराक लेने वालों की संख्या लगातार कम देखने को मिल रही है। ऐसा इसलिए नहीं है कि ज्यादातर लोगों को वैक्सीन लग चुकी है बल्कि इसलिए कि दिल्ली में अभी भी 34 लाख पंजीकृत वयस्क आबादी वैक्सीन से दूर है और इस संख्या में इजाफा हो सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो दिल्ली में कोरोना टीकाकरण को लेकर सबसे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रो. शातंनु सेन ने ट्रांसजेंडर आबादी का उदाहरण देते हुए बताया कि दिल्ली में कुल पंजीकृत मतदाता ट्रांसजेंडर की संख्या 815 है जबकि वैक्सीन अब तक साढ़े पांच हजार से अधिक को दिया जा चुका है।इससे साफ पता चल रहा है कि पंजीकृत मतदाताओं से अधिक वैक्सीन लेने वालों की संख्या है। दिल्ली सरकार के ही मुताबिक 18 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग की कुल आबादी करीब 1.50 करोड़ है जिनमें से 1.26 करोड़ को पहली और 67.49 लाख लोगों को दोनों खुराक लग चुकी हैं। इस हिसाब से देखें तो पंजीकृत आबादी में ही अभी करीब 34 लाख का अंतर है और उसके बाद बगैर पंजीकृत आबादी का आंकड़ा किसी के पास नहीं है। दरअसल कोविन वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में बीते 31 जुलाई के बाद से हर सप्ताह सात लाख से अधिक टीकाकरण दर्ज किया जा रहा था लेकिन बीते नौ अक्तूबर से अब तक के सप्ताह में यह संख्या पांच लाख तक ही पहुंच पाई है। इससे पहले एक सप्ताह में पांच लाख टीकाकरण 24 से 30 जुलाई के बीच दर्ज किया गया था। 10 सप्ताह तक लगातार टीकाकरण में बढ़ोतरी होने के बाद गिरावट ऐसे वक्त में दर्ज की गई है जब त्योहारों के चलते कोविड सतर्कता नियमों का सख्ती से पालन और टीकाकरण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कोविन वेबसाइट के ही अनुसार दिल्ली में 21 सितंबर तक रोजाना पहली खुराक लेने वालों की संख्या अधिक दर्ज की जा रही थी लेकिन 22 सितंबर से अब तक रोजाना दूसरी खुराक लेने वालों की संख्या ही सबसे अधिक है और पहली खुराक लेने वालों में लगातार कमी आ रही है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसके पीछे कारण बताया कि जुलाई से लेकर सितंबर माह के बीच काफी लोगों ने वैक्सीन लगवाई थी जिनका अब दूसरी खुराक लेने का समय भी आ रहा है। इसलिए यह संख्या अधिक दर्ज की जा रही है लेकिन सवाल यह है कि पहली खुराक लेने वाले कम क्यों हो रहे हैं?

आज आखिरी दिन, फिर नहीं मिलेगा प्रवेश

अधिकारी ने बताया कि पहली खुराक को लेकर विभाग गंभीर है। इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में दिल्ली सरकार ने आदेश जारी किया था जिसके तहत सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए वैक्सीन लेने का आज यानी शुक्रवार को अंतिम दिन है। इसके बाद शनिवार से किसी भी कर्मचारी को कार्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इन्हें छुट्टी पर तब तक के लिए भेज दिया जाएगा जब तक वैक्सीन की कम से कम एक खुराक नहीं लेते हैं। इसी तरह से जिला प्रशासन को भी टीकाकरण बढ़ाने पर जोर देने के लिए कहा जा रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार राज्यों के पास पर्याप्त वैक्सीन हैं लेकिन दिल्ली में टीकाकरण का ग्राफ कुछ अलग ही तस्वीर दिखा रहा है। दो सप्ताह तक रिकॉर्ड ऊंचाईयों पर पहुंचने के बाद यह ग्राफ धड़ाम से नीचे ऐसा आया कि टीकाकरण में 70 फीसदी से भी अधिक गिरावट आ गई। 18 से 24 सितंबर और 25 सितंबर से एक अक्तूबर के बीच दो सप्ताह में क्रमशः 11.59 और 11.26 लाख टीकाकरण हुआ जोकि 16 जनवरी से अब तक पहली बार है लेकिन इसके बाद दो से आठ अक्तूबर के बीच 7.92 लाख और फिर नौ अक्तूबर से अब तक 5.08 लाख लोगों को ही वैक्सीन मिल पाई।

ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर बुजुर्ग दंपत्ति से ठगे पांच करोड़

नई दिल्ली। यहां 80 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति को निवेश करने पर बेहतर रिटर्न का लालच देकर 5.24 करोड़ रुपये ठगने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अंकित ठाकुर (29) और विनोद आर्य (28) ने बुजुर्ग दंपत्ति को अपनी फर्म ईकाउंसिलर वेबटेक प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से शिकार बनाया। यह फर्म वेबसाइट डेवलपमेंट के व्यापार में सक्रिय है। आरोपियों ने पीड़ितों के दृष्टिहीन होने का फायदा उठाया। बुजुर्ग श्रम मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारी के पद से रिटायर हो चुके हैं। पुलिस ने कहा कि बुजुर्ग दंपत्ति को काफी ज्यादा रिटर्न का लालच देकर उनसे 5.24 करोड़ रुपये ठग लिए। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में एक केस दर्ज किया गया था।

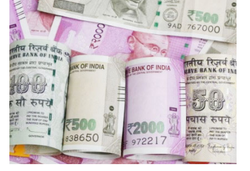

दोनों डोज लेने वाले को मुंबई लोकल में यात्रा करने की छूट

कई दिनों से कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक ले चुके सभी नागरिकों को लोकल रेलवे में प्रवास करने की अनुमति दी जाए ऐसी मांग की थी और इस संदर्भ में रेलवे मंत्री एवं मुंबई मनपा के उपायुक्त सुरेश काकानी को मिलकर इस विषय में ज्ञापन देकर जल्द से जल्द अनुमति देने की मांग की थी जिस पर आखिरकार देर ही सही लेकिन अनुमति देने के लिए रेलवे मंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं मुंबई मनपा का आभार व्यक्त करते हैं यह कहा कैट के महानगर अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शंकर ठक्कर ने। कल देर रात जारी किए आदेश के मुताबिक मुंबई की लोकल ट्रेन में आपातकालीन कर्मचारियों और कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लेने वाले नागरिकों एवं 18 साल के नीचे के विद्यार्थियों को यात्रा करने की अनुमति दी गई है। चूंकि 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को टीका नहीं लगाया गया है, इसलिए स्थानीय यात्रा की अनुमति नहीं थी । लेकिन पिछले कुछ समय से देशभर में कोरोना का प्रभाव कम हो रहा है और स्कूल एवं कॉलेज शुरू करने की मानसिकता राज्य सरकार ने बनाई है इसके चलते स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों को आने-जाने में परेशानी ना हो इसलिए आज से 18 साल से कम उम्र के लोग रेल से यात्रा कर सकेंगे। मध्य और पश्चिम रेलवे ने यह फैसला राज्य सरकार के आदेश के बाद लिया है। इस आदेश के मुताबिक केवल 18 वर्ष से कम आयु वालों को स्थानीय यात्रा करने के लिए मासिक पास मिलेगा, टिकट की सुविधा नहीं होगी। इसे भी स्पष्ट किया गया है। छात्रों को पास बनवाने के लिए प्रमाण के तौर पर पहचान पत्र दिखाना होगा। रेल प्रशासन ने साफ कर दिया है यात्रा के समय पहचान पत्र और पास दोनों अपने पास रखने होंगे। श्री ठक्कर ने आगे कहा कोरोना का प्रभाव कम हो गया है इसलिए सरकार ने कोरोना वैक्सीन की एक खुराक वाले को भी लोकल रेलवे में प्रवास करने की अनुमति दे देनी चाहिए क्योंकि एक तरफ पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छूने लगे हैं और दूसरी तरफ रेलवे प्रवास में अनुमति नहीं मिल रही है इसलिए दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों को बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है दिन के 4 से 5 घंटे तक बस का प्रवास कर और ज्यादा पैसे खर्च कर अपने स्थान पर पहुंचना पड़ रहा है ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिहार के महिला कॉलेज में सेल्फी पर बैन

खुले बाल भी नहीं रख सकेंगी छात्राएं

संवाददाता/अरमान उलहक

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में सुन्दरवती महिला महाविद्यालय के प्रशासनिक विभाग ने तालिबानी आदेश जारी किया है जिसमें महिला कॉलेज में छात्राओं के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया गया है। ड्रेस कोड में लिखी बातें सामने आने के बाद जमकर बवाल हो रहा है ।छात्राओं का कहना है कि कॉलेज की आदेश शरिया कानून के समान है. हालांकि, कुछ छात्राओं ने इसका समर्थन भी किया है। दरअसल भागलपुर के सुंदरवती महिला महाविद्यालय में नया ड्रेस कोड जारी किया गया है, जिसमें लड़कियों से एक या दो चोटी करके आने के लिए कहा गया है। कॉलेज प्रशासन के इसी आदेश पर जमकर बवाल हो रहा है। कालेज के अंदर परिसर में सेल्फी पर भी रोक लगायी गयी है कॉलेज द्वारा जारी किए गए तालिबानी आदेश से छात्राओं और राजनीतिक दलों में कड़ा आक्रोश व्याप्त है ।

तालिबानी आदेश से छात्राओं में आक्रोश

कॉलेज प्रशासन ने अपने नए आदेश में कहा है कि यदि कोई लड़की खुले बालों में कॉलेज आती है तो उसे कैंपस के अंदर नहीं आने दिया जाएगा। इस आदेश के आने के बाद सूबे की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े छात्र छात्राओं ने इसे तुगलकी फरमान बताया है।

वहीं कई छात्रों ने इसकी तुलना अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार के कानून से की है और मौलिक अधिकारों का हनन बताया है हालांकि कुछ छात्राओं ने इस फैसले का स्वागत भी किया है। एक छात्रा ने कॉलेज प्रशासन को धन्यवाद देते हुए इस फैसले पर खुशी जताई है।

छात्राओं ने कहा कि कॉलेज का आदेश तालिबानियों के कानून जैसा है वहीं छात्र नेताओं का कहना है कि ड्रेस कोड वाले फैसले का स्वागत है लेकिन बेटियों के खुले बालों पर रोक लगाना कॉलेज प्रशासन की घटिया व ओछी मानसिकता को दशार्ता है।

ड्रेस कोड में कहा गया है कि छात्राओं को एक या दो चोटी बान्द करके ही कॉलेज आना अनिवार्य है अन्यथा छात्राओं के खिलाफ कड़ी अनुशास्त्मक कार्यवाही की जायेगी जिसकी जिम्मेदार छात्राएं स्वयं होंगीं।

पिज्जा लाने में मां ने लगा दिया समय

बेटी ने उठाया ये खौफनाक कदम

रिपोर्टर /सैय्यद अलताफ हुसैन

हरियाणा। नर्सिंग की एक छात्रा ने महज इस वजह से अपनी जान दे दी, क्योंकि मां ने पिज्जा के लिए थोड़ी देर इंतजार करने को कहा था। छात्रा का जन्मदिन दो दिन पहले ही मनाया गया था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है।मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। तलाबपुरा मोहल्ले में रहने वाली शिखा सोनी

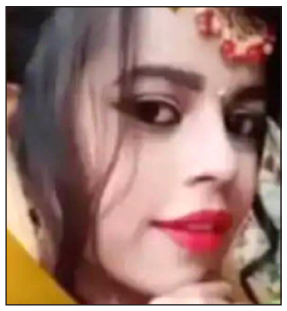

(18) पुत्री मोहन लाल सोनी ने रात कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। शिखा का शव कमरे में पंखे लटकता मिला था।बताया जा रहा है कि शिखा ने अपनी मां से पिज्जा की डिमांड की थी। मां ने पिज्जा के लिए थोड़ा इंतजार करने के लिए कहा। इससे नाराज शिखा ने कमरे में फांसी लगा ली।

मृतका के पिता मोहन लाल ने बताया कि बेटी ने नर्सिंग का कोर्स किया था। वह जिला अस्पताल में तीन माह की ट्रेनिंग कर रही थी। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम को जब शिखा ने अपनी मां से पिज्जा मांगा तो मां ने कुछ समय बाद पिज्जा देने की बात कही। इससे वह नाराज हो गई और तुरंत ही कमरे में चली गई।कुछ देर तक जब कमरे झांककर देखा गया तो वह फंदे पर लटकी हुई थी। परिजनों ने बताया कि कि 10 अक्टूबर को ही शिखा का जन्मदिन था। घर में शिखा के अलावा उसकी दो और बहनें भी हैं। शिखा घर में सबसे छोटी थी। पुलिस का कहना है कि युवती के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सिंदखेडराजा विद्यालय मे कोविड -19 टीकाकरण कवच कुंडल अभियान सफल

बुलडाणा। कोविड-19 टीकाकरण कवच कुंडल अभियान के अवसर पर बुधवार 13/10/2021 को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर उर्दू हाई स्कूल एवं मौलाना अबुल कलाम आजाद उर्दू कला उच्च माध्यमिक विद्यालय सिंधखेडराजा मे कोविड-19 का टीकाकरण किया गया था। स्कूल अध्यक्ष एवं बुलढाणा जिला राकांपा के जिलाध्यक्ष श्री नजर काजी साहब के प्रयासों से अभियान सफल रहा।नगर पालीका के मुख्याधिकारी मा.परशांत व्हटकर साहेब, शाळेचे मुख्याध्यापक खान हाजरा नुझहत मैडम, वैद्यकीय अधीक्षक डॉ.बिराजदार मैडम, डॉ.मुफीज खान,या. उसरे साहेब,ईन्होने टीकाकरण स्थल का जायजा लिया।स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने टीकाकरण के लिए प्रयास किया अभियान एक सफलता।

सम्भल में लोगों से ठगी करने वाला नटवर लाल भाजपा का फर्जी प्रदेश महामंत्री गिरफ्तार

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। यूपी जनपद संभल के बहजोई में पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा व अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार जयसवाल के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्र अधिकारी चंदौसी गोपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में जनपद संभल में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक थाना बहजोई नरेंद्र त्यागी ने मय हमराह पुलिस टीम के साथ एक फर्जी भाजपा का प्रदेश महामंत्री बनकर ठगी करने वाले शातिर अभियुक्त राहुल को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बहजोई के पास से गिरफ्तार किया गिरफ्तारी के आधार पर थाना बहजोई पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई है।

हम आपको बताते चले की सम्भल में लोगों से ठगी करने वाला भाजपा का फर्जी प्रदेश महामंत्री गिरफ्तार, भाजपा का प्रदेश महामंत्री बताकर लोगों से ठगी करने का आरोपी नेतागिरी का रौब दिखाकर आरोपी का पैसे ऐंठने का लड़की के अपहरण मामले में पुलिस पर बना रहा था दबाव, बदायूं जनपद का रहने वाला है आरोपी, शक होने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जमीअत उलमा बीकानेर का एक और सराहनीय कदम

जमीअत के सहयोग से एक और शादी सम्पन्न

रिपोर्टर सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। जमीअत उलमा ए हिन्द मुसलमानों का एक अग्रणी संगठन है जो 1919 से लगातार देश सेवा और मानव सेवा के लिए समर्पित है, मुल्क की आजादी से लेकर अबतक पीड़ित और कमजोर लोगों की मदद करने के साथ उनको इंसाफ दिलाने तक उनके साथ खड़ा रहता है,देश-भर में जमीअत उलमा-ए-हिन्द की सैकड़ों शाखाएँ हैं जो खिदमते खल्क को मिशन बनाकर काम करते रहती हैं उन्हीं में से बीकानेर की शाखा भी है जिसके कार्यकर्ता पिछले कई सालों से काम कर रहे हैं, खासकर इस कोरोना काल में जमीअत उलमा बीकानेर की तरफ से कई तरह के कार्य किये गए, उन्ही में से एक कमजोर और गरीब लोगों की बच्चियों की शादिया करवाना या उनकी शादी में सहयोग करना भी है,जमीअत उलमा के पदाधिकारी हाफिज अजमल हुसैन बताते हैं कि हमने संगठन के सहयोग से कोरोना काल मे 6 शादियाँ करवाई है जिसमे 3 तीन शादियों में शादी का पूरा खर्च और दूसरी 3 में जरूरत के सामान का सहयोग भी किया, कल की शादी में एक अलमारी,एक पलँग, एक गद्दा-तकिया

सेट, 48 बर्तनों का 1सेट, 14 जोड़ी कपड़े,1 बुर्का, एक सोने का लौंग और 2100 रुपये नकद दिए,जमीअत उलमा के मेडिकल हैल्प सदस्य सैयद इमरान ने कहा कि पिछले कई सालों से रक्तदान शिविर आयोजित करते रहे हैं इसके साथ ही हमारी इस कोरोना काल में पूरे बीकानेर में एक बड़ी और मजबूत पहल यह थी कि हमने पीबीएम हॉस्पिटल में प्लाजमा थैरेपी शुरू होते ही सबसे पहले मानवता के सहयोग के लिए फर्स्ट डोनर से लेकर अ 49 प्लाज्मा डोनर्स दिए हैं इसके अलावा कई जरूरतमंदों की दवाई और जाँचो में भी सहयोग रहता है, जमीअत उलमा के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि कोरोना के इस दौर में जमीअत उलमा ए हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी साहब ने देश भर के अपने तमाम कार्यकताओं को सन्देश देते हुए कहा था कि मजहब से ऊपर उठकर हर पीड़ित और कमजोर की दिल खोलकर मदद करो,उसी दिन से बीकानेर शाखा के तमाम कार्यकताओं ने इस डेढ़ साल में हर एतबार से लोगों की मदद करने की कोशिश की, जमीअत के ऑफिस सेक्रेट्री मोहम्मद राशिद कोहरी ने बताया कि हम इसके लिए अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं कि जिसने हमे इन नेक और अच्छे कामों की तौफीक दी और उन सभी साथियों और दोस्तों का भी शुक्रिया अदा करते हैं जो हर अच्छे काम में हमारा सहयोग करते रहते हैं।।

दर्द या गांठ को न करें इग्नोर...

ब्रेस्ट कैंसर के बचाव के लिए घर पर ही करती रहें जांच

कैंसर उन जानलेवा बीमारियों में से एक है जो डॉक्टर्स के लिए भी पहली की तरह है। कई बार डॉक्टर्स भी नहीं समझ पाते कि किसी मरीज को क्यों कैंसर हो गया। लिहाजा इसके लिए सतर्कता और बचाव बेहद जरूरी हैं। कैंसर के साथ सबसे बड़ी समस्या ये है कि जब तक इसका पता चलता है काफी देर हो जाती है इसलिए जागरूकता काफी जरूरी है। अक्टूबर का महीना ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस के लिए डेडिकेट किया जाता है। यहां जानते हैं ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।

बरतें सतर्कता

हमारे शरीर में रोजाना लाखों कोशिकाएं बनती रहती हैं। ये कोशिकाएं जब अनियंत्रित होकर बढ़ती हैं शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलकर नुकसान पहुंचाने लगती हैं। कई कैंसर लास्ट स्टेज पर पता चलते हैं लेकिन ब्रेस्ट कैंसर को अक्सर गांठ के रूप में महसूस किया जा सकता है। नारायण सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की सीनियर रेडिएशन ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉक्टर इंदु बंसल बताती हैं, बहुत से ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में शुरूआती गांठ या लक्षण नहीं नजर आते। मरीज के बगल में गांठ महसूस हो सकती है। इनमें दर्द हो भी सकता है और नहीं भी। इन दोनों ही कंडीशंस को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

लक्षण

डॉक्टर इंदु ने ब्रेस्ट में लंप या गांठ महसूस होने के अलावा कुछ और लक्षण बताए जैसे निप्पल से द्रव आना, निप्पल का अंदर की ओर धंस जाना वगैरह। ये लक्षण दिखें तो अलर्ट हो जाना चाहिए। कैंसर का इलाज जितनी जल्दी शुरू होता है, इसका सर्वाइवल रेट उतना ही बढ़ जाता है।

ब्रेस्ट कैंसर के कारण

- अक्सर कई बच्चियों को बहुत कम उम्र में माहवारी शुरू हो जाती है, ब्रेस्ट कैंसर का ये भी एक कारण हो सकता है।
- कई बार अनुवांशिक कारणों से भी ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम होता है। जैसे अगर आपकी
- मां, सगी बहन को ब्रेस्ट कैंसर हुआ है तो आपको भी खतरा है।
- मीनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति का सामान्य उम्र से देर से आना भी एक रिस्क फैक्टर हो सकता है।
- हॉरमोन रिप्लेसमेंट थेरेपी लेना।
- इसके अलावा धूम्रपान, स्तनपान न करवाना मोटापा वगैरह भी ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क फैक्टर हैं।

कैसे करें बचाव

- अगर ब्रेस्ट कैंसर की फैमिली हिस्ट्री है तो नियमित रूप से जांच करवाते रहें। इसके लिए आपके परिवार के किसी सदस्य को जिस उम्र में कैंसर पता लगा हो उस उम्र से 5 साल पहले से जांच शुरू कर देनी चाहिए।
- 20 साल उम्र के बाद हर एक महिला को महीने में एक बार ब्रेस्ट कैंसर का सेल्फ एग्जामिनेशन करना चाहिए। 20 से 40 साल की आयु में 2 से 3 साल के अंतर में अपने सभी रेग्युलर चेकअप करवाने चाहिए। 40 साल के बाद महिलाओं को अल्ट्रासाउंड वगैरह रेग्युलर करवाते रहना चाहिए। 45 वर्ष की उम्र के बाद साल में एक बार मेमोग्राम करवाना चाहिए।

माथे पर अनचाहे बालों के कारण फोरहेड दिखता है डार्क

इन घरेलू उपायों से मिल सकता है छुटकारा

अधिकतर लड़कियों और लड़कों में माथ काला दिखाई देता है। कुछ तो इसे थ्रेड से क्लीव करवा लेते हैं लेकिन कुछ लोग ऐसा करने से बचते हैं। कुछ महिलाएं अपने माथे को साफ करने के लिए कुछ घरेलू नुस्खों को खोजती रहती है। अगर आप माथे के बालों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आप भी इन घरेलू चीजों को अपना सकते हैं। ये पूरी तरह से नेचुरल है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। आइए जानते हैं।

1) आलू और शहद

आलू और शहद दोनों ही स्किन की खूबसूरती बढ़ाने के लिए काम करते हैं। इसे बनाने के लिए आलू को पीस लें और फिर उसमें शहद में मिक्स करें। फिर इस पेस्ट में दो से तीन बूंद नींबू का रस मिलाएं और माथे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो उंगलियों की मदद से रगड़ते हुए इसे निकालें।

2) बेसन और दूध

इसकी मदद से अनचाहें बालों को हटाने के लिए आप बेसन और दूध को मिला कर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब इसे अपने माथे पर लगे लें, जब यह सूखने लगे तो इसे उंगलियों से रगड़कर उसे साफ करें। इससे न सिर्फ गंदगी साफ होगी बल्कि माथ से अनचाहे बाल भी निकलेंगे। इसे हफ्के में 2 बार ट्राई करें।

3) एलोवेरा और अंडा

माथे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए आप एलोवेरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में एग वाइट लें और उसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। दोनों इनग्रेडिएंट को अच्छे से मिक्स करें और फिर कॉटन बॉल की मदद से लगाएं और सूखने दें। जब यह सूख जाए तो उंगलियों की मदद से पील ऑफ मास्क की तरह हटाएं।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी स्ट्रॉग ही नहीं मोटापा भी दूर करता है अमरूद का सूप

मौसम बदलते ही आप अपनी डाइट में कई तरह की फल और सब्जी से बने सूप शामिल करना शुरू कर देते हैं। फल या सब्जियों से बने सूप का सेवन करने से शरीर के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में प्राप्त हो जाते हैं। आपने भी अब तक कई तरह की चीजों से बने सूप का स्वाद चखा होगा लेकिन क्या आपने कभी अमरूद के सूप का स्वाद चखा है। यह सूप टेस्टी होने के साथ सूप लो कैलोरी भी है। जिससे न सर्फ इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

अमरूद का सूप पीने के फायदे

- अमरूद में मौजूद विटामिन सी शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाता है। आपको शायद ही पता हो कि संतरे के मुकाबले अमरूद में चार गुना अधिक विटामिन सी मौजूद होता है, जो व्यक्ति को खांसी, जुकाम जैसे इंफेक्शन से दूर रखने में मदद करता है।
- काले नमक के साथ अमरूद का सेवन पाचन संबधी परेशानियों को दूर करके कब्ज,पित्त या फिर पेट में कीड़ों की समस्या को भी दूर रखने में मदद करता है।
- एंटी एजिंग गुणों से भरपूर अमरूद स्किन के डैमेज सेल की मरम्त कर उसे हेल्दी रखता है, जिससे जल्दी झुर्रियां व झाइयां भी नहीं पड़तीं।
- अमरूद में कैलोरी कम होने के साथ फाइबर की अधिकता होती है। जिसकी वजह से ये वजन कम करने में बेहद मददगार है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MAHA RERA NO.: P99000025618

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT
WITH LIFESTYLE AMENITIES

Mariyam Heritage

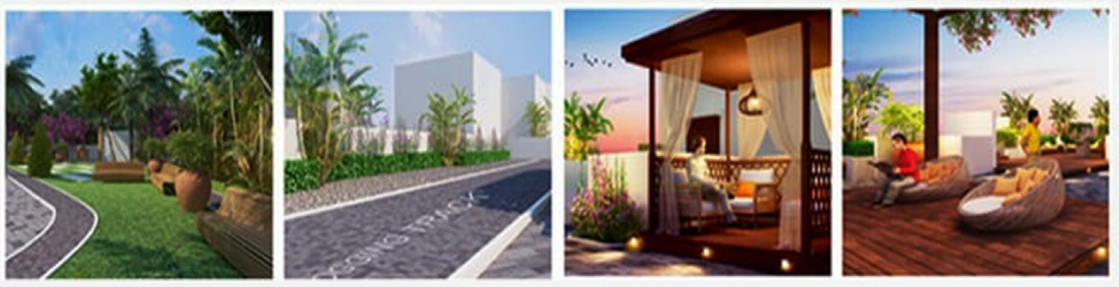

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals :
Valwadevi Multispeciality - 800m
Metropolis Healthcare - 900m

Banks :
Abhyudaya Co-op Bank - 500m
Federal Bank - 600m

Schools :
Ludhani Vidyamandir - 700m
Fr. Angel School - 800m

Rastuarants :
Hotel Shalimar - 300m
Hotel Regency - 900m

Entertainments :
Carnival Cinema - 4.2km
Dream The Mall - 4.2km

Accessibility :
Vasai E Railway Station - 8 km
Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM
31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE
DOWNPAYMENT 5%
NO EMI TILL POSSESSION*
APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E)
FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848
SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)